

आइआइटी में हुआ अंतरराष्ट्रीयकरण पर मंथन

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर ने जर्मन एकेडमिक एक्सचेंज सर्विस (डीएएडी) के सहयोग से दो दिवसीय महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का विषय रहा भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों में अंतरराष्ट्रीयकरण : संरचनाएं और सेवाएं। कार्यशाला का उद्घाटन आइआइटी के निदेशक प्रो. सुहास जोशी और जर्मन वाणिज्य दूतावास, मुंबई की उप वाणिज्य दूतावास जनरल मार्जा-सिखा इनिंग ने किया।

यह कार्यशाला भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों और जर्मन विश्वविद्यालयों के बीच सहयोग की बेहतरीन कार्यप्रणालियों और अवसरों पर विचार-विमर्श करने



कार्यशाला में उपस्थित 25 से अधिक उच्च शिक्षा संस्थानों के पदाधिकारी। • सौजन्य के उद्देश्य से की गई।

कार्यक्रम में भारत के 25 से अधिक उच्च शिक्षा संस्थानों के डीन और अंतरराष्ट्रीय कार्यालयों के प्रमुखों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला का आयोजन नई दिल्ली के डीएएडी क्षेत्रीय कार्यालय की निदेशक डा. काटजा लैश, डीएएडी की वरिष्ठ सलाहकार डा. शिखा

सिन्हा और आइआइटी इंदौर के अंतरराष्ट्रीय संबंध के डीन प्रो. अविनाश सोनावणे द्वारा किया गया।

इस दौरान एचटीडब्ल्यू ड्रेसडेन विश्वविद्यालय से जर्मन विशेषज्ञ जूलियन टेरेपे और लीपजिग विश्वविद्यालय से कैथरीना पिंगेल भी उपस्थित रहीं।